हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
शनिवार, 28 अक्टूबर 2017, बरेली, पांच प्रदेश, 20 संस्करण
www.livehindustan.com

PAGE NO. 8: TO LEFT

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में शुरू हुई तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस, देश विदेश से आए डॉक्टर हुए शामिल

अनियमित दिनचर्या, फास्टफूड लीवर के दुश्मन

बरेली | प्रमुख संवाददाता

ऐसा नहीं है कि केवल शराब पीने वाले ही लीवर की गंभीर बीमारी एनएएफएलडी का शिकार हो सकते हैं। जो शराब नहीं भी पीते हैं उनको भी यह बीमारी गिरफ्त में ले सकती है।

अनियमित दिनचर्या और फास्टफूड लीवर के सबसे बड़े दुश्मन साबित हो रहे हैं। एसआरएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में तीन दिवस अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में पहुंचे हैदराबाद से आये लीवर रोग विशेषज्ञ डॉ. पीएन राव ने चेताया कि नॉन एल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज (एनएएफएलडी) का खतरा समझें है।

एसआरएमएस के जनरल मेडिसिन विभाग की ओर से आयोजित कांफ्रेंस का विषय 'स्टैंडर्ड केयर इन मेडिसिन' है। पहले दिन प्री-कान्फ्रेंस सिंपोजियम का आयोजन किया गया। डॉ. पीएस राव ने बताया कि लीवर फंक्शन टेस्ट (एलएफटी) समय समय पर कराने से इस बीमारी के बारे में पता चलेगा। एलएफटी से लीवर की कार्यक्षमता का पता चलता रहता है।

बीएचयू बनारस से आये डॉ. विनोद दीक्षित ने पेट की बीमारी इरीटेबिल बाउल सिन्ड्रोम (आईबीएस) के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह आंत को प्रभावित करती है। इससे रोगी को पेट में दर्द, ऐंठन, सूजन, गैस, कब्ज व दस्त की शिकायत रहती है। लम्बे समय तक उपचार के पश्चात ही इस रोग को नियंत्रित किया जा सकता है।

उन्होंने इस रोग का कारण मानसिक तनाव व जीवनचर्या में बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि विश्व के 10 से 15 प्रतिशत लोग इससे प्रभावित हैं तथा भारत में ऐसे रोगियों की संख्या अधिकतर है। नियमित व्यायाम एवं योग व हरी सब्जियों एवं फलों का सेवन एवं नियमित दवाओं को उपयोग से इससे निपटा जा सकता है।

एसआरएमएस के जनरल मेडिसिन विभाग की ओर से आयोजित कांफ्रेंस में शुक्रवार को मौजूद विशेषज्ञ। • हिन्दुस्तान

आज होगा कांफ्रेंस का शुभारंभ

कांफ्रेंस का शुभारंभ शनिवार को होगा। मुख्य अतिथि रुहेलखंड यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला होंगे। साथ ही 6 साइंटिफिक सत्रों के अन्तर्गत जानकारियां साझा की जाएंगी।

बीमारियों पर मंथन तीन दिन तक चलेगा

तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में न्यूरोलाजी, कार्डियोलाजी, इन्फेक्शियस डिजीज, गैस्ट्रोइन्ट्रोलाजी, रूमेटोलाजी, क्रिटिकल केयर आदि के विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे।

स्वाद के चक्कर में लीवर को नुकसान

एसजीपीजीआई लखनऊ से आये डॉ. वीए सारस्वत ने कहा लीवर का सबसे बड़ा दुश्मन फास्टफूड है और इसको न खाया जाए तो ही बेहतर है। स्वाद के चक्कर में इससे लीवर को नुकसान होता है। उन्होंने लीवर सिरोसिस के बारे में बताते हुए कहा कि इस रोग में लीवर संक्रमण के कारण सख्त नष्ट हो जाता है।

सोडियम की कमी भी खतरनाक

इन्दौर से आये डॉ. राज चन्दया ने सोडियम की कमी होने वाले रोग हाइपोनेटरेमिया के बारे में बताया। कहा कि इस रोग के कारण शरीर में सोडियम नामक तत्व की कमी भी खतरनाक साबित हो सकती है।